CHINMAYA DEGREE COLLEGE

BHEL, HARIDWAR - 249403

A COLLEGE OF EXCELLENCE

PROSPECTUS

Session 2020-21

Ph. : 01334 - 230478, Fax : 01334 - 231892

Visit : www.chinmayadc.edu.in

E-mail : management@chinmayadc.edu.in

principal@chinmayadc.edu.in

office-supdt@chinmayadc.edu.in

CCMTEC

विद्या फलं स्यात् असतो निवृत्तिः

True Knowledge removes all that is false in our life

"Don't just invest on the child, also invest in the child. 'Investment on' gives outer prosperity. 'Investment in' ensures inner unfoldment and lasting prosperity. True education is 'investment on' the child complemented with 'investment in' the child. "

- Swami Chinmayananda

Published by : **Dr Alok Agarwal**
Principal

Edited by : **Dr. Manisha**
Sh. B.P Gupta
Sh. R.K. Chaturvedi

महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातक कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका का वितरण व प्रवेश पंजीकरण प्रारम्भ	–	24 जुलाई 2020
2.	पंजीकरण की अन्तिम तिथि (स्नातक)	–	20 अगस्त 2020
3.	योग्यता एवं प्रतीक्षा सूची का महाविद्यालय सूचनापट पर प्रकाशन	–	28 अगस्त 2020
4.	योग्यता सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश	–	07,08 और 09 सितम्बर 2020
5.	प्रतीक्षा सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश	–	12 सितम्बर 2020
6.	कक्षा आरम्भ	–	शासनादेशानुसार

महत्वपूर्ण तिथियाँ
(स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु)

1.	महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका का वितरण व प्रवेश पंजीकरण प्रारम्भ	–	17 अगस्त 2020

नोट : प्रवेश के समय अभ्यर्थी अनिवार्यतः स्वयं उपस्थित हो तथा अपने साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र तथा उनकी सत्यापित कॉपी साथ लायें। इसके लिये अतिरिक्त समय देय नहीं होगा। छात्र/छात्रायें जिस वर्ग (जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही स्वीकार होगा अन्य प्रदेश का जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए) जो विद्यार्थी खेलकूद (राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर) एवं एन.एस.एस. तथा एन.सी.सी. का लाभ लेना चाहते हैं, वे सम्बन्धित प्रमाण–पत्र की प्रमाणित कॉपी, रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ संलग्न करें तथा प्रवेश के समय मूल प्रमाण पत्र भी साथ लायें।

अन्य जानकारी हेतु हमारी वैब साइट

www.chinmayadc.edu.in

का अवलोकन करें।

ADMISSION COMMITTEE

(प्रवेश समिति)

(Session : 2020-2021)

1.	Dr. Alok Agarwal	Convener
2.	Dr. P.K. Sharma	Coordinator
3.	Dr. Manisha	Coordinator
4.	Dr. Anand Shanker Singh	Coordinator
5.	Dr. Ajay Kumar	Coordinator
6.	Sh. B.P. Gupta	Coordinator
7.	Dr. Vaishno Dass Sharma	Coordinator
8.	Dr. Deepika	Coordinator
9.	Sh. Rakesh Landora	Member
10.	Sh. V.S Negi	Member

Note : Admission for M.Sc. courses will be done by the respective Professor in-charge of the Department concerned.

ANTI RAGGING CELL

	Contact No
1. Dr. Alok Agarwal (Convener)	9897739135
2. Dr. Manisha	9837162852
3. Dr. Vaishno Dass Sharma	9758140071
4. Dr. Omkant	9897982689
5. Dr. Deepika	8909811219
6. Ms. Maya Swami	9837075252

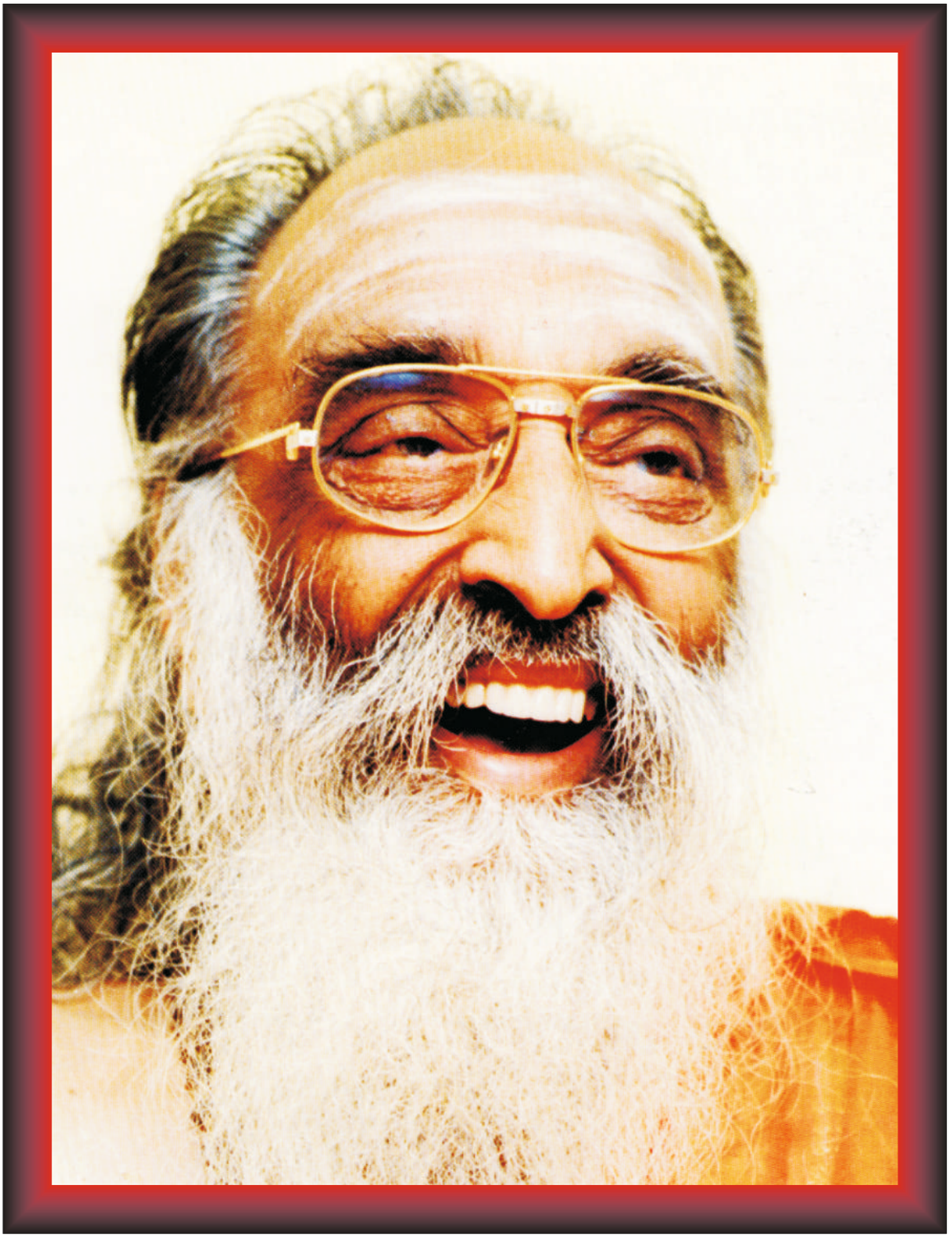

Founder of Chinmaya Mission H.H. Gurudev Swami Chinmayanand Ji
(1916-1993)

H.H. SWAMI CHINMAYANANDA JI

Born on 8th May 1916 Yug Purusha H.H. Swami Chinmayanandaji Maharaj bloomed forth as a great saint, philosopher and guide to the millions and the greatest exponent of Geeta of his times. With a glorious record of education Mr Balakrishna Menon obtained post graduation degree in English from Lucknow University. His Holiness took Sanyas on the Mahashivratri day in 1947 from his Deeksha Guru, Swami Shivananda of Anand Kutir, Rishikesh. In May 1951, he descended to the plains from the heights of Gangotri with primary objectives of regeneration of Dharma and respiritualisation in India. Without any outside support, he organised the first GyanYagna in Pune in December 1951. From a few participants at the time, hundreds of Yagnas later, the number of devotees mounted to millions. Indeed, he was a movement in himself and a legend in his own life. His Geeta Gyan Yagnas brought the wisdom of Vedanta to millions who became his ardent devotees looking up to him as a Yug Purusha. He became Pujya Gurudev of countless people in India and abroad. It was his love for mankind and vision of man's relationship with God which brought about many centres of higher learning in the Vedantic knowledge in this country and other parts of the world. In a short span of about 60 years, more than 300 Chinmaya Mission Centres have been established in addition to various academic institutions imparting quality education, hospitals, welfare and vocational centres and clinics etc. for the benefit of the society.

Discourses of Geeta by Yug Purusha, the nectar of life, are much sought after the world over. Gurudev's commentaries on Geeta and other Hindu scriptures are acclaimed as master-pieces all over the world. Gurudev's audio and video cassettes on these scriptures are used in many institutions and homes for gaining the eternal knowledge of this subtle subject.

Pujya Gurudev attained Maha Samadhi on 3rd August 1993 passing the torch to the next generation led by H.H. Swami Tejomayananda ji and further by Swami Swaroopananda ji. College Parivar offers Shradhanjali by rededicating itselt to the noble cause of true knowledge.

परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी

8 मई 1916 को स्वामी चिन्मयानन्द जी ने इस धरती पर अवतार लिया था। वे अपने समय में गीता के सर्वश्रेष्ठ उपदेशक थे। उनका जन्म एक महान सन्त, दार्शनिक एवं लाखों लोगों के लिये आध्यात्मिक निर्देशक की भूमिका का निर्वाह करने के लिये हुआ था। प्रारम्भ में उनका नाम बालकृष्ण मेनन था तथा उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। आपने 1947 में महाशिवरात्रि के पर्व पर अपने गुरु स्वामी शिवानन्द, आनन्द कुटीर, ऋषिकेश से सन्यास की दीक्षा प्राप्त की। धर्म एवं आध्यात्म के क्षेत्र में पुनर्निर्माण को उद्देश्य मानकर मई 1951 में आपने गंगोत्री की पर्वतमालाओं से मैदानी क्षेत्रों की ओर प्रस्थान किया। बिना किसी बाह्य सहयोग के आपने दिसम्बर 1951 में प्रथम ज्ञान यज्ञ पूना में प्रारम्भ किया। इस यज्ञ में भाग लेने वाले भक्तजनों की संख्या अत्यन्त कम थी, लेकिन इसके पश्चात सैकड़ों की संख्या में ज्ञान यज्ञ आयोजित किये गये तथा भक्तजनों की संख्या लाखों में होने लगी। वास्तव में पूज्य स्वामी जी स्वयं में एक आन्दोलन थे तथा अपने जीवन में एक प्रसिद्ध सन्त के रूप में स्थापित हो चुके थे। आपके द्वारा संचालित गीता ज्ञान यज्ञों द्वारा लाखों भक्तों को वेदान्तों की अमृत वर्षा प्राप्त हुई। अपने भक्तों के लिये आप युग पुरुष के रूप में जाने गये थे। आपको भारत वर्ष तथा विदेशों में बसे असंख्य भक्तों ने पूज्य गुरुदेव के रूप में मान्यता प्रदान की। मानवता के प्रति समर्पण तथा परमात्मा से आत्मा सम्बन्धित परिकल्पना को समझने के लिए उन्होंने स्वदेश व विश्व के अन्य भागों में वेदान्तिक साहित्य केन्द्रों की स्थापना की। केवल चार दशकों की संक्षिप्त अवधि में ही उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों, चिकित्सालय, सामाजिक उत्थान के केन्द्रों एवं वृद्धाश्रमों जैसे सेवा माध्यमों के अतिरिक्त 300 चिन्मय मिशनों की स्थापना हो चुकी है। पूज्य गुरुदेव द्वारा जीवन के लिये अमृत समान गीता पर आधारित व्याख्यानों का विश्व भर में आयोजन किया जा चुका है। आपके द्वारा गीता एवं हिन्दू धर्म के अन्य ग्रन्थों पर आधारित सारगर्भित विश्लेषण समस्त विश्व की धरोहर हैं। इन विषयों पर दृश्य एवं श्रव्य प्रचार सामग्रियों द्वारा अनेक संस्थान एवं लाखों परिजन अपने आध्यात्मिक ज्ञान में वृद्धि कर रहे हैं। 3 अगस्त 1993 को पूज्य गुरुदेव द्वारा महासमाधि लेने के पश्चात अब इस गुरुत्तर दायित्व का निर्वहन स्वामी तेजोमयानन्द के कुशल संचालन द्वारा किया गया। तत्पश्चात स्वामी स्वरूपानन्दा जी ज्ञान की इस पताका को सम्पूर्ण विश्व में फैला रहे हैं। इस पूज्य महात्मा के लिये सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में चिन्मय परिजन समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों को सम्पूर्ण दायित्व के साथ निर्वहन करने के लिये सदैव प्रतिबद्ध हैं।

If you realise you were wrong, have the courage to admit it !

- Swami Chinmayananda

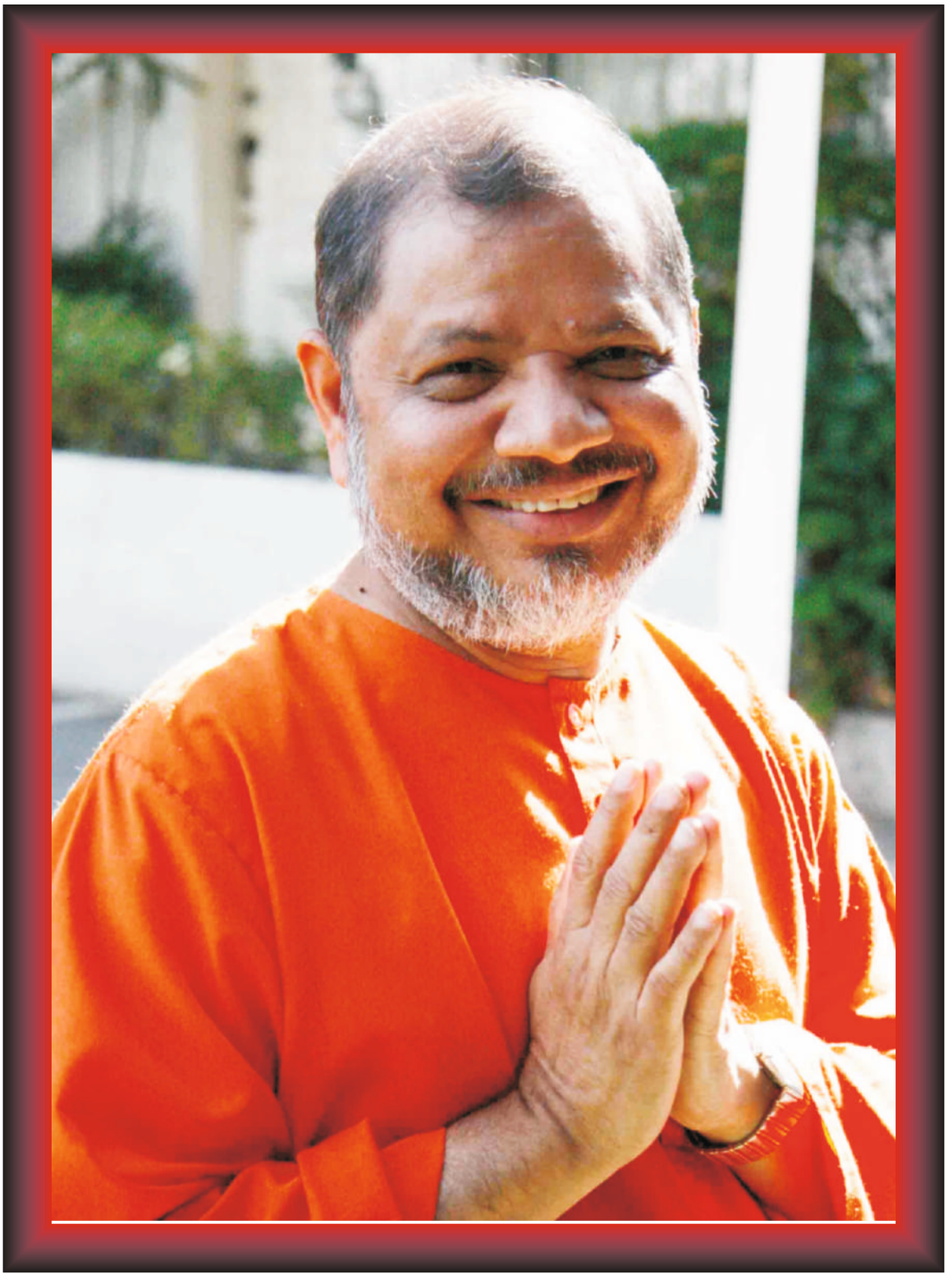

H.H. Swami Tejomayananda Ji Chief Mentor of Chinmaya Mission

H.H. SWAMI TEJOMAYANANDA JI

Swami Tejomayananda Ji was the Global Head of Chinmaya Mission worldwide from August 1993 to January 2017 . He was born in a Maharashtrian family on 30th June 1950 in Madhaya Pradesh. He was called Sudhakar Kaitwade. At the age of 20, While doing his master's degree in Physics, he met Swami Chinmayananda. So thoroughly inspired was Sudhakar, that after obtaining his mother's permission, he joined Chinmaya Mission's Vedanta Course in Mumbai. After successfully completing the course in 1975, he was posted to Chinmaya Mission Centre in Bhopal and subsequently Kanpur and Sidhbari.

On October 21, 1983 Swami Chinmayananda ji initiated him into sanyas and gave him the name Swami Tejomayananda Ji. In 1989, Swami Tejomayananda Ji was sent to San Jose (USA) and became Acharya of Chinmaya Mission West. This made him In-charge of all of Chinmaya Mission activities in North America.

Upon Swami Chinmayananda's Maha Samadhi in August 1993, Swami Tejomayananda Ji returned to India and became the Global Head of Chinmaya Mission worldwide. Since then, Swami Tejomayananda Ji has vigorously pursued the grand vision of his master.

In the year 2016, the President of India awarded Swami Ji with "Padma Bhushan" for his social and spritual contribution to the society. In January 2017 he handed over the charge of Global Head of Chinmaya Mission to HH Swami Swaroopananda Ji. Currently HH Swami Tejomayananda Ji, reverentially called Guru ji by the devotees of Chinmaya Mission world wide, is the Chief mentor of Chinmaya Mission.

परम पूज्य स्वामी तेजोमयानन्द जी

स्वामी तेजोमयानन्द जी चिन्मय मिशन के प्रमुख थे। इनका जन्म 30 जून 1950 को मध्य प्रदेश में एक मराठी परिवार में हुआ। पूर्वाश्रम में आपका नाम सुधाकर केटवाडे था। 20 वर्ष की आयु में आप स्वामी चिन्मयानन्द जी के प्रथम दर्शन से अत्यन्त प्रभावित हुए। अपनी माता जी के आशीर्वाद एवं अनुमति के पश्चात आपने मुम्बई में वेदान्त की दीक्षा ग्रहण की। 1975 में वेदान्त शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात, आपको चिन्मय मिशन की भोपाल, कानपुर तथा सिद्धबाड़ी का कार्यभार क्रमशः सौंपा गया, जिसका आपने सफलता पूर्वक निर्वहन किया।

21 अक्टूबर 1983 को आपने स्वामी चिन्मयानन्द जी से संन्यास की दीक्षा ग्रहण की तत्पश्चात् आपका नाम स्वामी तेजोमयानन्द हो गया। 1989 में स्वामी तेजोमयानन्द जी को चिन्मय मिशन के आचार्य के रूप में अमेरिका के सेन जोन्स मुख्यालय पर भेजा गया। यहाँ से स्वामी जी ने उत्तरी अमेरिका में होने वाली चिन्मय मिशन की सभी गतिविधियों का संचालन किया।

स्वामी चिन्मयानन्द जी द्वारा महासमाधि के पश्चात अगस्त 1993 में स्वामी तेजोमयानन्द जी ने चिन्मय मिशन के प्रमुख का पद ग्रहण किया। इस नई भूमिका में स्वामी जी ने स्वामी चिन्मयानन्द के वृहत्तर दृष्टिकोण का प्रसार किया है।

वर्ष 2016 में स्वामी जी को सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान के लिए राष्ट्रपति द्वारा '' पद्म भूषण'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूज्य स्वामी जी ने जनवरी 2017 में Global Head का कार्यभार पूज्य स्वामी स्वरूपानन्द जी को सौंप दिया। वर्तमान में पूज्य गुरुजी चिन्मय मिशन के मुख्य मार्गदर्शक है।

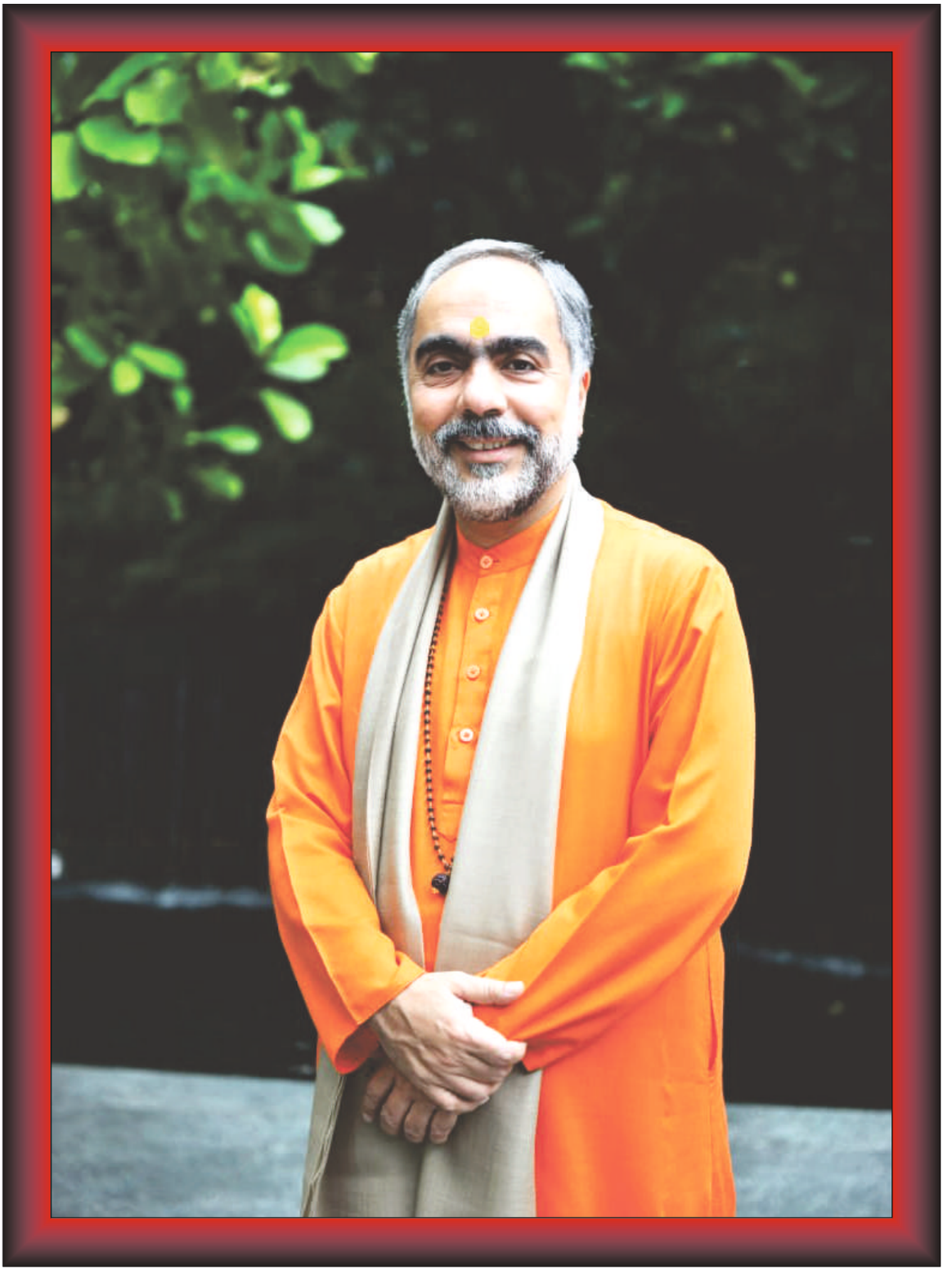

SWAMI SWAROOPANANDAJI Global Head, Chinmaya Mission

SWAMI SWAROOPANANDAJI

In an era rife with scepticism and confusion about matters spiritual, Swami Swaroopananda is a rare voice that blends authenticity with accessibility, theory with self-practice; logic with heart.

Born and brought up in a bustling commercial capital of India, Swamiji had always been convinced that beyond life's superficial, everyday joys and sorrows, there was something more enduring and satisfying. As an adolescent he encountered the preeminent Master of Vedanta, Swami Chinmayananda (Gurudev). He gave up his family's thriving business in Hong Kong to undergo intensive training under Gurudev and Swami Tejomayananda. He was initiated into the Monastic order in 1992. Since then, he has touched thousands of lives worldwide and his tremendous work in bringing out the essential wisdom and underlying unity of all religions has garnered him a place among the vanguards of self development philosophy.

Swamiji has authored several commentaries on such important spiritual classics as Ik Onkar, Maha Mrityunjaya Mantra and Sankat Mochan, besides numerous books on contemporary lifestyle subjects such as Simplicity and Meditation, Storm to Perform, Avatar, Managing the Manager and Journey into Health.

Swamiji is equally adept at conducting 'holistic management' seminars for senior corporate executives. Among the well-known institutes he has been invited to speak at are the Ford, London Business School and Harvard University, to name a few.

Formerly the Regional Head of Chinmaya Mission Australia, United Kingdom, Middle East, Africa and Far East and presently Chairman of the Chinmaya Vishwavidyapeeth Trust (University for Sanskrit and Indic Traditions) and Director of the Chinmaya International Residential School in Coimbatore, South India, Swami Swaroopananda has now been bestowed by Swami Tejomayananda the privilege to also serve as the Head of Chinmaya Mission Worldwide.

परम पूज्य स्वामी स्वरूपानन्द जी

हर तरफ फैले हुए संदेह और भ्रम के इस युग में आध्यात्मिक गुरु स्वामी स्वरूपानन्द जी एक ऐसी दुर्लभ आवाज है जो प्रामाणिकता के साथ सुलभता, सिद्धान्त के साथ स्व अभ्यास और तर्क के साथ सहृदयता का मिश्रण है।

भारत की एक उदीयमान वाणिज्यिक राजधानी में पले बढ़े स्वामी जी हमेशा से आश्वस्त थे कि जीवन के सतही, रोजमर्रा की खुशियों और दुःखों से परे ऐसा कुछ है जो अधिक स्थायी और संतोषजनक है। किशोरावस्था में उनका सम्पर्क वेदान्त ज्ञाता गुरूदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी से हुआ। उन्होंने गुरूदेव तथा स्वामी तेजोमयानन्द के मार्गदर्शन में गहन प्रशिक्षण के लिये हांगकांग में अपने परिवार के सम्पन्न व्यवसाय को भी छोड़ दिया। सन् 1992 से उन्होंने एक तपस्वी का जीवन प्रारम्भ किया तब से लेकर आज तक उन्होंने दुनिया भर में हजारों लोगों का मार्गदर्शन किया। सभी धर्मों में निहित समान आवश्यक ज्ञान को लोगों तक पहुंचने के लिए अथक प्रयास किया, जिसने उन्हें आत्म विकास दर्शन के महापंडितों की श्रेणी में विशेष स्थान पर पहुंचा दिया।

स्वामी जी ने अनेकों महत्वपूर्ण आध्यात्मिक क्लासिक्स जैसे एक ओंकार, महामृत्युजंय मंत्र तथा संकट मोचन पर टिप्पणियां लिखी हैं। साथ ही समकालीन जीवन शैली से संबंधित विषयों पर अनेकों पुस्तकें लिखीं। उनमें से कुछ हैं– Simplicity and Meditation, Storm to Perform, Avtar, Managing the Manager तथा Journery into Health.

स्वामी जी वरिष्ठ कॉरपोरेट अधिकारियों के लिये सम्पूर्ण प्रबंधन सेमीनार आयोजित करने में समान रूप से दक्ष है। विश्व के प्रसिद्ध संस्थानों जैसे द फोर्ड, लंदन बिजनेस स्कूल तथा हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने स्वामी जी को व्याख्यान के लिये आमंत्रित किया है।

स्वामी जी ने चिन्मय मिशन आस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका तथा सुदुर पूर्व में क्षेत्रीय प्रमुख का कार्य किया। वर्तमान में स्वामी जी चिन्मय विश्वविद्यापीठ ट्रस्ट (सांस्कृतिक एवं इंडिक ट्रेडिशन्स विश्वविद्यालय) के अध्यक्ष तथा चिन्मय अंतर्राष्ट्रीय आवासीय विद्यालय कोयंम्बटूर के निदेशक पद को सुशोभित कर रहे हैं तथा स्वामी तेजोमयानन्द जी के आशीर्वाद से स्वामी स्वरुपानन्द जी चिन्मय मिशन वर्ल्डवाइड के प्रमुख हैं।

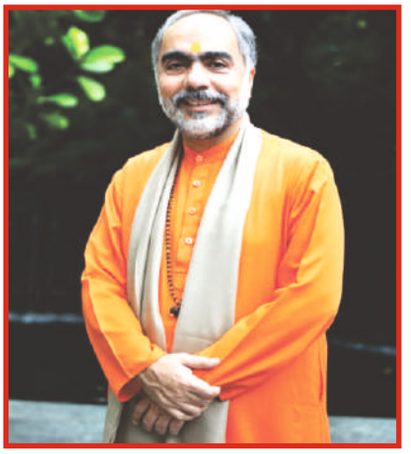

Swami Swaroopananda
Global Head, Chinmaya Mission

MESSAGE

“Youth are not useless. They are used less. Youth are not careless. They are cared less. My greatest hope lies in the youth” These are the words of the world renowned teacher and founder of the Chinmaya Mission, Swami Chinmayanandaji. With the inauguration of the Chinmaya Degree College in Haridwar in 1989, Swami Chinmayanandaji envisioned the college to create dynamic leaders, with a noble vision of life, with patriotic fervor and the readiness to serve the cause of National Development in their own ways. Chinmaya Degree College is now all set to enter it’s third decade of higher education with renewed vigour, clarity of vision and astute management principles and policies. I am sure that the Chinmaya Degree College will render greater service than ever before and manifest Swami Chinmayanandaji’s lofty vision into reality. My best wishes and Gurudev’s blessings to the management, staff, students and parents of Chinmaya Mission College, Haridwar.

Swami Swaroopananda

SWAMI PRAKARSHANANDAJI
Acharya, Chinmaya Mission Delhi

Hari Om!

Dear Students,

Life is a series of experiences. Our experiences depend upon our perception. Our perception depends upon our past impressions. Our impressions depend upon our knowledge.

So we have to be very careful and imbibe the right knowledge.

My best wishes to all of you.

Do your very best in life.

Hari Om and

Love.

Swami Prakarshananda

Shanti Krishnamurthy
Director, CCMT EducationCell

MESSAGE

Hari Om,

I deem it a great privilege to interact with the students and Teachers of our Degree college, Haridwar through this Almanac. I thank Sri Rakesh Sachdeva ji for providing me with this opportunity. Being in the field of Education for more than four decades, I have had the opportunity to visit good number of Educational institutions in and out of the Country. When I visited the Princeton University in the state of New Jersey last summer, I met some Indian students and they mentioned the unique feature of the university is a campus culture that is the envy of all other colleges. The college is 275 years old and carries with itself a envious culture till today. Isn't that amazing? While the reputation of the college, the academic programs offered in the college and the wholesome education are all attributes of a good college but in my opinion, establishing a strong culture brings in an all-time uniqueness to an institution. But how do we establish that kind of a strong culture in our organisations? Every Chinmaya organisation is blessed with the vision that Gurudev Swami Chinmayananda has blessed us with. People are the essence of an organisation and when the people in the organisation direct all their efforts and aspirations towards that vision, with an unshakable faith, there is an automatic flow of love which binds together the people in that organisation. That bonding only can lay foundation for establishing a strong culture. The values, beliefs, attitudes, and behaviours that each unit of the organisation share will influence the decision and all communications and thus will ultimately impact the over all performance of the organization. A culture where everyone cares about each other makes the college a great place to learn and grow.

Let us strive towards that. We Can; We will; and We Must!

Shanti Krishnamurthy

MESSAGE FROM THE MANAGING COMMITTEE

To understand the Vision, Mission and Values of Chinmaya Degree College we have only to read a few lines penned by the great masters.

Gurudev, His Holiness Swami Chinmayanandaji's 'vision' put in Gurudev's own words: "Chinmaya Mission educational institutions must silently create mighty men of Character and Action. The students will then be the creative creators of tomorrow's world". Guruji, His Holiness Swami Tejomayanandaji's focus areas are also spelt out clearly in the 'goals' identified by the Chinmaya Vidyalaya (CVs) which read: "CVs are determined to achieve the threefold goal of education: Vision, Spirit of Service and Efficiency."

The College is managed by a dedicated team of Management. The Managing Committee is composed of members nominated by Chinmaya Mission and BHEL. The college has highly qualified faculty and an efficient administrative team led by the principal.

Thank you for choosing to join Chinmaya Degree College, Haridwar

We are more than certain, your innings with us in the college, will be most rewarding.

May Puja Gurudev's and Guruji's blessings be upon you and your family.

With Prem and Om.

Managing Committee

MESSAGE FROM THE PRINCIPAL

It gives me immense pleasure in welcoming all students of Chinmaya Degree College, a centre of excellence in Haridwar established by Swami Chinmayananda Ji in 1989 and now is being regulated by the global head Swami Swaroopananda Ji. Chinmaya Degree College has created a name by maintaining a high standard of education discipline and performance.

The aim of our institute is to produce outstanding technocrats, who will prove their professional competence in their respective disciplines. The institute also lays special emphasis on soft skills, human values and ethics apart from academic excellence.

I feel blessed and honored to lead this reputed institute of Haridwar with a dedicated and highly competent team of staff members. The invaluable trust of our parents, blessings of well wishers and most importantly our loving students continues to add laurels to the college.

We all are dedicated to insure that your college life would be enjoyable and memorable experience of your life at Chinmaya Degree College. I wish all the best and good luck.... !!

Dr. Alok Agarwal

Principal

CHINMAYA DEGREE COLLEGE
BHEL, HARIDWAR

MANAGING COMMITTEE
(Session : 2020-2021)

1.	Col Rakesh Sachdeva (Veteran-Indian Army)	Chairman
2.	Sh R.R. Sharma	Vice-chairman
3.	Dr Indu Mehrotra	Secretary
4.	Dr Radhika Nagrath	Joint Secretary
5.	Cdr Amod Choudhary (Veteran-Indian Navy)	Member
6.	Dr Ajay Kumar Biyani	Member
7.	Sh P.K. Srivastava	Member
8.	Sh Rahul Mishra	Member
9.	Dr Alok Agarwal	Principal & Ex officio member
10.	Dr Vaishno Dass Sharma	Director SFS & Ex officio member
11.	Dr Manisha	Member
12.	Dr Anand Shanker Singh	Member
13.	Sh Rakesh Chaturvedi	Member

MISSION PLEDGE

We stand as one family
bound to each other with love and respect.
We serve as an army,
courageous and disciplined,
ever ready to fight
against all low tendencies and false values
within and without us.
We live honestly
the noble life of sacrifice and service,
producing more than what we consume
and giving more than what we take.
We seek the Lord's grace
to keep us on the path of virtue,
courage and wisdom.
May thy grace and blessings
flow through us
to the world around us.
We believe that the service of our country
is the service of the Lord of Lords,
and devotion to the people
is devotion to the Supreme Self.
We know our responsibilities.
Give us the ability and courage to fulfill them.

Om Tat Sat

THE COLLEGE

A brief introduction

True wisdom is to know what is likely to happen. These words can be best ascribed to Swami Jyothirmayananda, the Late Chief Sevak of Delhi Chinmaya Sewa Trust. He was the main architect who responded to the call given by the Board of Directors of the Bharat Heavy Electricals Limited, Haridwar in 1987, for establishing a Science Degree College in their premises. Since then the efforts continued and the College was approved by the State Government of Uttar Pradesh on 13th March 1989. U.P. Government put the college on grant-in-aid list from 3rd Oct., 1994.

The history of its genesis rested on the collaboration with BHEL. Among those, who responded to our offer of Service and deserve mention in these pages, are Sri P.S. Gupta, the then Chairman, BHEL, Late Sri D.V. Bhatnagar, G.M.(I) and Sri R.D. Shukla, the then G.M. (P&A) , BHEL. The efforts culminated in laying the foundation of the College on 16th May 1989. The then Chief Minister, Sri Narayan Dutt Tiwari, inaugurated the College amidst the chanting of Vedic hymns and the blissful radiations of Pujya Gurudev's spiritual aura. College opened its portal for youth on 11th December 1989.

Chinmaya Degree College represents and reflects the original concern of Pujya Gurudev H.H. Swami Chinmayananda for Indian roots of education, its rich heritage and culture and will continue to reflect it at graduate and post-graduate levels of education in future too. This College is just an extension of Chinmaya Mission's vast network of educational and social service institutions spread all over India and abroad. It can justifiably take pride in having an enviable record in academics and extra-curricular fields in a span of its 31 years of existence.

महाविद्यालय

संक्षिप्त परिचय

दूरदर्शी व्यक्ति को भविष्य का ज्ञान होता है। यह लोकोक्ति दिल्ली चिन्मय सेवा ट्रस्ट के मुख्य सेवक स्वामी ज्योतिर्मयानन्द के लिये सर्वथा उपयुक्त है। 1987 में भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लिमिटेड (भेल) हरिद्वार के निदेशक मण्डल की भेल परिसर में एक डिग्री कॉलेज खोलने की प्रार्थना को मूर्त रूप देने में स्वामी जी ही मुख्य प्रणेता थे। इसके पश्चात ये प्रयास फलीभूत हुए तथा तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 13 मार्च 1989 को इस महाविद्यालय की स्थापना का अनुमोदन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 3 अक्टूबर 1994 से महाविद्यालय को वेतन अनुदान सूची में शामिल कर लिया।

चिन्मय महाविद्यालय की स्थापना में भेल प्रशासन हरिद्वार की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस पुनीत कार्य में योगदान देने के लिये सर्व श्री पी0 एस0 गुप्ता (तत्कालीन महाप्रबन्धक, भेल), श्री डी0वी0 भटनागर (तत्कालीन महाप्रबन्धक, कारखाना, भेल) एवं श्री आर0 डी0 शुक्ला (तत्कालीन महाप्रबन्धक, प्रशासन एवं कार्मिक, भेल) का अथक प्रयास सराहनीय रहा है। इन सभी के सामूहिक प्रयासों की परिणति 16 मई 1989 को महाविद्यालय की स्थापना के रूप में हुई। इस दिन पूज्य गुरूदेव चिन्मयानन्द जी की उपस्थिति में उ0प्र0 के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नारायण दत्त तिवारी ने वैदिक मंत्रों के बीच इस महाविद्यालय का उद्घाटन किया। छात्रा–छात्राओं के लिये महाविद्यालय में 11 दिसम्बर 1989 से शिक्षण कार्य आरम्भ हुआ।

चिन्मय महाविद्यालय भारतीय शिक्षा पद्धति की समृद्ध संस्कृति से सम्बद्ध पूज्य गुरूदेव स्वामी चिन्मयानन्द जी के मूल विचारों को प्रदर्शित एवं प्रचारित करता है। यह महाविद्यालय समस्त विश्व में फैले विशाल चिन्मय मिशन के शैक्षिक एवं सामाजिक संस्थानों का एक विस्तार मात्र है। 1989 से अब तक की छोटी सी अवधि में ही शैक्षिक एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में निर्बाध प्रगति के परिणाम स्वरूप इस महाविद्यालय को उत्तराखण्ड शासन ने हरिद्वार जनपद के आदर्श महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की है।

DISCIPLINE :

The Proctorial Board of the College looks after the discipline and decorum of life in college campus. It also looks after the welfare of the students and enforcement of the rules and regulations of the college and the University authorities.

Students have to occupy themselves with academic pursuits through out the working time in the college. Free periods may be spent in the Library, where books, periodicals and news papers are available.

Students are subject to the disciplinary jurisdiction of the College and University and have to abide by the rules and regulations issued from time to time.

The Proctorial Board deals with all cases of indiscipline. "Discipline" is the observance of good conduct as a student. Breach of discipline inter alia includes -

a) Irregularity in attendance, persistent negligence or indifference towards the work assigned.
b) Causing disturbance to a class or the office or the library or any games programme or college function.
c) Disobeying the instructions of teachers or administrative authorities of the college.
d) Misconduct or misbehaviour of any kind at the time of meeting or during curricular or extracurricular activities.
e) Misconduct or misbehaviour of any kind during the examinations, inter-college competitions and games.
f) Misconduct or misbehaviour of any kind towards a teacher or any employee of the college, University or another institution, or any member of the Statutory Board of the University or any visitor to the college, University or another institution.
g) Causing damage to the furniture or any property of the college or any other institution of the University
h) Uniform is decided for college students. Girls to attend the college in plain white salwar suits and Red Jaipuri chunni. Boys to attend the College in grey pant and plain white shirt. Plain black sweater, cardigan or blazer and black tie is prescribed in winter uniform. Colour of trousers is S. Kumar's quality shade No. 178.
Married Girls may wear pink coloured salwar suit
i) Use of Mobile Phones by the students is prohibited in the class Room, Lobby & Laboratory .
j) Inciting others or abetting them to indulge in any unlawful activity.
k) Giving publicity to misleading reports or remorse among the students.
l) Using abusive and profane language in the college campus.
m) Smoking in the college premises.
n) Attitude of non-seriousness towards studies or other activities of the college.
o) Ragging is strictly prohibited in college premises. Strong action will be taken according to the directions issued by the Honorable Supreme Court of India.

Each student shall have to submit himself/herself to the code of disciplinary jurisdiction of the Principal, the Vice-Chancellor and other authorities of the College-University in whom may be vested the authority to exercise discipline under the Acts, the Statutes, the Ordinances and rules that have been framed by the College and the University.

Students are strictly advised not to bring outsiders with them in the college premises, If any outsider is found in the campus without approval, he/she may be handed over to the police and strict disciplinary action shall be taken against the student who directly or indirectly brought such outsider/outsiders in the college premises. Such students may even be expelled from the college.

FACILITIES :

SPORTS AND GAMES :

Facilities of Gymnasium, outdoor and indoor games : like Cricket, Hockey, Basket Ball, Football, Volley Ball, Badminton, Table Tennis and Carom and Athletics are provided under the supervision and guidance of the Convener, Sports Committee.

CANTEEN : There is a well established canteen in the college campus for refreshment for students and the staff.

LECTURES AND SEMINARS :

Distinguished men of letters in sciences, technology and human affairs are invited to address the students under the extension lectures programme. Seminars and panel discussions are arranged to inculcate original thinking and expression among the students.

CULTURAL SOCIETY :

There is a society to look after the social and cultural activities of the college. It comprises of a board of six faculty/ staff members and four students members.

GRANT OF STIPEND/SCHOLARSHIPS :

Stipends/Scholarships are awarded to outstanding and deserving students from various sources, agencies and other departments. Detailed information would be displayed on college notice board from time to time. Students are advised to see the notice board regularly.

NOTE : Students who are the recipients of stipend , scholarship will have to open bank account and should therefore contact the office superintendent of the college and intimate their bank account number with name of bank.

COLLEGE MAGAZINE :

The College brings out an annual maganize 'Chinmaya' to encourage literary efforts among the students. It includes contributions by the students, reviews of educational, cultural, social and sports activities of the college.

RAILWAY CONCESSIONS:

Bonafide regular students of the college are entitled for railway travel concessions in accordance with rules and regulations of the Railway Board. Travel concessions can be availed only for the place/home town shown in the admission form.

INSURANCE IS COMPULSORY FOR ALL STUDENTS :

The College has arranged an insurance policy from National Insurance Company Ltd. Haridwar to cover the students and their one fee paying parent against personal Accident Insurance for one Lakh each. Details of policy can be checked with the Dean Students welfare. Premium charges of the policy are only Rs. 97.00 per student.

पत्रांक डिग्री सेवा / 1677–1756 / 2009–10 / दिनांक 05 जून 2009

विषय : मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सं0–54 / xxiv (6) / 2009 / दिनांक 28 मई 2009 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशानुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किये जाने के सम्बन्ध में।

सूच्य है कि भारत के उच्चतम न्यायालय के पत्र सं0–370 / 04 / xi– । दिनांक 26 फरवरी 2009 एवं 17 मार्च 2009 द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों को रैगिग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आज्ञा से
निदेशक (उ0शि0), उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल)

GIRLS HOSTEL RULES AND FEE STRUCTURE

GENERAL

The Girls hostel is to accommodate post graduate/under graduate girl students studying in Chinmaya Degree College, Ranipur, Haridwar.

The hostel accommodates 70 girls. The hostel provides good accommodation facilities, which include main recreation hall, visitors hall and phone etc.

ADMISSION RULES

1. Girl students studying in Chinmaya Degree College are eligible for admission to girl's hostel.
2. Criteria of admission to the hostel will be merit based.
3. A resident student who fails in or fails to appear at an examination is liable to lose her seat in the hostel.
4. All applicants for rooms should submit their applications in the prescribed form & fee for Hostel Total fee Rs. 70,000/- per year. Total fees is to be deposited at the time of admission.
5. All applications should be submitted with the college during June and July. Applications received after the deadline may not be considered.

HOSTEL RULES

The following rules will be followed by all girls residing in the hostel. Violation of any of these rules will make the student liable for disciplinary action, including expulsion from the hostel.

1. A student must remember that the hostel is the home of students on the campus. She should behave herself on the campus as well as outside in such manner as to bring credit to her self and to the Institute.
2. A student once admitted in the hostel continues to be a hostel inmate throughout the year. She has to pay the room rent for the full academic session. The amount will be forfeited if the inmate decides to leave the hostel during mid session.
3. Every student should stay in the room allotted to her by the warden. She will not be allowed to change the accommodation once allotted, without prior permission of the warden.
4. A student should check the fittings in her room at the time of occupation. If there is any deficiency or inadequacy, it should be brought to the notice of the hostel staff. She shall be responsible for the fittings and shall see to it that they are in order at the time of handing over charge of the room when she leaves the hostel.
5. Student will be personally and collectively responsible for any loss or damage to the hostel furniture or other fitting in all the common facilities and at any place in the hostel.
6. Cleanliness of the room is to be maintained by the student herself.
7. All the students will remain present at the time of roll call.
8. Use of electrical appliances like heaters, hot plates etc. in the hostel rooms is prohibited.

अनुशासन

महाविद्यालय की नियन्ता परिषद द्वारा कानून व्यवस्था का संचालन होता है। यह परिषद छात्र कल्याण तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय नियमों के पालन का भी ध्यान रखती है। विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में केवल शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना होगा। रिक्त समय में विद्यार्थियों को पुस्तकालय में पुस्तक, समाचार पत्र, सामयिकी इत्यादि का अध्ययन करना चाहिए। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर प्रसारित नियमों तथा परिनियमों का पालन करना होगा। नियन्ता परिषद के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनात्मक कार्यवाही के अन्तर्गत आयेंगी।

(1) महाविद्यालय में अनियमित उपस्थिति होने पर तथा शैक्षणिक गतिविधियों के लिए लापरवाही करने पर।

(2) कक्षा में अध्ययन–अध्यापन के समय, कार्यालय में, पुस्तकालय में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विघ्न डालने पर।

(3) शिक्षकों तथा महाविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्देशों का पालन न करने पर।

(4) सम्मेलन में तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तराल में अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त रहने पर।

(5) परीक्षाकाल में तथा क्रीड़ा स्थल पर अनुशासन तोड़ने पर।

(6) शिक्षकों, कर्मचारियों, आगन्तुकों एवं विश्वविद्यालय के संवैधानिक परिषद के सदस्यों के साथ अभद्रता करने पर।

(7) महाविद्यालय के फर्नीचर तथा अन्य सम्पत्तियों को क्षति पहुँचाने पर।

(8) **महाविद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पोशाक पहनकर आना अनिवार्य हैं। छात्रायें सादा सफेद सलवार सूट एवं गहरा लाल जयपुरी चुन्नी धारण करेंगी तथा छात्र सादी सफेद कमीज एवं स्लेटी पतलून धारण करेंगे। सादा काला स्वेटर , कार्डिगन कोट तथा काली टाई शीत कालीन पोशाक के लिए निर्धारित है (पतलून का स्लेटी रंग एस कुमार क्वालिटी शेड नं0 178 नमूने में दिये गये स्लेटी रंग से मिलना चाहिये)।**

विवाहित छात्राएं गुलाबी रंग का सूट सलवार पहन सकती हैं।

(9) **महाविद्यालय में कक्षा, लॉबी एवं प्रयोगशाला में मोबाईल फोन का प्रयोग वर्जित है।**

(10) किसी विद्यार्थी द्वारा अन्य विद्यार्थियों को अवांछनीय गतिविधियों के लिए उकसाने पर।

(11) विद्यार्थियों के बीच भ्रामक प्रचार करने पर तथा अफवाह फैलाने पर।

(12) महाविद्यालय परिसर में असंसदीय भाषा का प्रयोग करने पर।

(13) महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान करने पर।

(14) महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के प्रति गम्भीर न होने पर।

(15) **महाविद्यालय परिसर में कोई भी छात्र एवं छात्रायें रैगिंग करते पाये जाने पर मा. उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कानूनी कार्यवाही होगी।**

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश से पूर्व लिखित में यह शपथ पत्र देना होगा कि वह महाविद्यालय प्रशासन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी नियमावली का पालन करेगा। अन्यथा वह नियमानुसार कानूनी कार्यवाही का पात्र होगा।

प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने साथ किसी भी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय में न लायें। यदि कभी ऐसा पाया जाता है कि बाहरी व्यक्ति महाविद्यालय परिसर में अवांछित गतिविधियों में संलिप्त है तो सम्बन्धित विद्यार्थी तथा बाहरी व्यक्ति को तुरन्त पुलिस को सौंप दिया जाएगा तथा अन्य कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। ऐसे में सम्बन्धित छात्र का प्रवेश भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया जायेगा।

COURSES OFFERED FOR B.Sc. CLASSES

Under the blessings of Pujya Gurudev, His Holiness Swami Chinmayananda ji, the stewardship of the Management and the dedicated team of the staff members, the following under graduate courses are offered:-

GOVERNMENT AIDED SECTIONS

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Bio. Group (Chemistry, Botany & Zoology)	80+4
2.	B.Sc. Maths Group (Physics, Chemistry & Mathematics)	80+4

UNDER SELF FINANCED SCHEME

S.No.	Course	No. of Seats
1.	B.Sc. Computer Science (with Physics & Mathematics)	80+4
2.	B.Sc. Microbiology (with Zoology & Botany)	60+3

Note :

1. **Candidates have to use separate application form for different disciplines**
2. Increase in the number of seats for economically backward section of General Caste will be according to university guidelines.

LEEP

LIFE EMPOWERMENT AND ENRICHMENT PROGRAMME

(जीवन सशक्तिकरण तथा परिस्करण कार्यक्रम)

चिन्मय मिशन के उद्देश्यों एवम् भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित यह युवाओं के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इसकी प्रमुख विशेषतायें निम्नवत् हैं।

1. यह कार्यक्रम Central Chinmaya Mission Trust के Education Cell द्वारा प्रकाशित एवं प्रशासित है।
2. यह एक द्विवर्षीय प्रमाण–पत्र (Certificate Course) है। यह स्नातक पाठ्यक्रम के साथ सभी विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य होगा। इस कार्यक्रम के लिए पाठ्य पुस्तक पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। जो विद्यार्थी इस उपयोगी पुस्तक को अपने पास रखना चाहेंगे उन्हें इसका वास्तविक मूल्य 300/–रूपये महाविद्यालय में जमा करना होगा।
3. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) सं0 1 से 9 तक तथा द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम पाठ (Chapter) 10 से 18 तक होगा।
4. विद्यार्थियों को प्रति सप्ताह एक कालांश (Period) उपरोक्त कार्यक्रम के लिए पढ़ाया जाएगा।
5. LEEP कार्यक्रम में सहभागिता के पश्चात प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार लिखित परीक्षा देना होगा। इस परीक्षा में विद्यार्थी पाठ्य पुस्तक अपने पास रख सकते हैं (open book evaluation system), तथा इच्छुक अभ्यर्थियों को परीक्षा के साथ–साथ, सेवा कार्यों एवं अनुभवों की पंजिका प्रेषित करनी होगी, जिसका मूल्यांकन CCMT Education Cell द्वारा किया जाएगा।

मूल्यांकन के उपरान्त प्रमाण–पत्र CCMT Education Cell तथा महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से दिया जाएगा। प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को 200/–रूपये शुल्क के रूप में देना होगा, यद्यपि यह अनिवार्य नहीं है।

उपरोक्त कार्यक्रम युवाओं के नैतिक उत्थान के लिए आयोजित किया जा रहा है।
यह किसी धर्म व सम्प्रदाय विशेष से सम्बन्धित नहीं है।

प्रवेश नियम (सत्र 2020–2021)

1. स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिये प्रत्येक महाविद्यालय/संकाय में सम्बन्धित प्राचार्य/संकायाध्यक्ष प्रवेश समितियों का गठन करेंगे, जोकि अलग–अलग संकायों में प्रवेश से सम्बन्धित कार्यों का दायित्व पूर्ण करेंगे। तत्सम्बन्धित संकायों में प्रवेश के लिये उक्त समिति और प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का निर्णय अन्तिम होगा। समितियों के विधिवत् गठन की सूचना प्राचार्य/संकायाध्यक्ष विश्वविद्यालय को भी प्रेषित करेंगे। प्रवेश समितियों द्वारा आवंटित विषयों में कोई परिवर्तन सम्भव नहीं होगा। प्रवेश का दायित्व प्राचार्य/संकायाध्यक्ष का होगा।

2.(a) स्नातक स्तर (बी.एस.सी.) में छात्र उसी संवर्ग (विषय समूह) में प्रवेश ले सकेंगे जिसका अध्ययन उन्होंने अर्हकारी परीक्षा में किया हो। उस प्रतिबन्ध का आशय यह है कि जिन छात्र–छात्राओं ने 10+2 स्तर पर गणित संवर्ग (भौतिक, रसायन एवं गणित) विषयों का अध्ययन किया हो वह गणित संवर्ग तथा जिन छात्र–छात्राओं ने जीव विज्ञान संवर्ग (रसायन, वनस्पति एवं जन्तु विज्ञान) का अध्ययन किया हो वह जीव विज्ञान संवर्ग में ही प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं।

(b) स्नातकोत्तर स्तर पर केवल उन्हीं छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा जिन्होंने स्नातक स्तर पर संबंधित विषय का अध्ययन किया हो, परन्तु ऐसे विशिष्ट पाठ्यक्रमों (जैसे माइक्रोबॉयोलॉजी, बॉयोटेक एवं कम्प्यूटर विज्ञान) में जिनमें मूल विषय का शिक्षण स्नातक स्तर पर नहीं होता है वे छात्र–छात्राऐं आवेदन कर सकेंगे जिन्होंने निम्मानुसार उल्लिखित विषयों का अध्ययन किया हो–

(i) कम्प्यूटर विज्ञान में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर गणित संवर्ग (भौतिक, रसायन/कम्प्यूटर एवं गणित) में अध्ययन आवश्यक हैं।

(ii) माइक्रोबॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक में प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर जीव विज्ञान संवर्ग (रसायन, वनस्पति एवं जन्तु विज्ञान) में अध्ययन आवश्यक है।

3. स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिये इंटरमीडिएट या समकक्षीय परीक्षा में 45 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये प्रवेश अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट होगी।

4. आवेदक स्वयं आवेदन पत्र जमा करें तथा कार्यालय से प्राप्ति रसीद अवश्य प्राप्त करें।

5. चरित्र प्रमाण–पत्र संस्थागत परीक्षार्थी पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य का तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी, लोकसभा/विधानसभा/विधान परिषद् के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य/नियन्ता की मूल प्रति संलग्न करें।

6. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को आरक्षण इस प्रकार है अनुसूचित जाति 15%, अनुसूचित जनजाति 7.5%, तथा अन्य पिछड़े वर्ग 27%। इसके अतिरिक्त उपरोक्त में प्रत्येक श्रेणी में क्षैतिज आरक्षण इस प्रकार है– महिलाएं 30%, भूतपूर्व सैनिक या उन पर आश्रित 5% , दिव्यांग 3%, तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आश्रित 2%। **अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों को अपने माता–पिता का पूर्व वित्तीय वर्ष का गैर क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।**

7. प्रवेशार्थी को महाविद्यालय के सूचना पट पर प्रवेश सम्बन्धी सूचनायें देखते रहना चाहिये।

8. प्रवेश के पूर्व ही स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को एक माह के अन्दर प्रवजन प्रमाण–पत्र (माइग्रेशन) जमा करा देना चाहिये। अन्यथा अस्थाई प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

9. अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को किसी भी कक्षा एवं संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस विश्वविद्यालय से अनुत्तीर्ण छात्र भूतपूर्व/व्यक्तिगत छात्र के रूप में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष के छात्र को अनुत्तीर्ण होने अथवा चिकित्सा के आधार पर व अन्य वैध कारण के केवल एक बार संकाय बदल कर प्रवेश दिया जा सकता है। प्रवेश लेने से पूर्व प्रत्येक छात्र को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र/प्रवजन प्रमाण–पत्र एवं चरित्र–प्रमाण पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10. छात्र/छात्राओं को स्नातक स्तर पर सात वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर चार वर्ष की अवधि तक के लिये ही संस्थागत विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी, जिसमें एक वर्ष के गैप भी सम्मिलित रहेगा। (यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा)। केवल वे ही छात्र भूतपूर्व छात्र का लाभ ले सकेंगे जिन्होंने पूरे सत्र का अध्ययन किया हो अथवा विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश पत्र/अनुक्रमांक दिया गया हो और वह चिकित्सा के आधार पर आवेदन करता हो। ड्रापर विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण माना जायेगा। ड्रापर को संस्थागत छात्र के रूप में पुनः प्रवेश नहीं दिया जायेगा। ड्रापर की परिभाषा, किसी छात्र ने यदि प्रवेश आवेदन पत्र भरने के पश्चात प्रवेश ले लिया हो, होगी।

11. जिन छात्रों की गतिविधियां अनुशासन मण्डल / प्रशासन की राय में अवांछनीय है उन्हें प्रवेश लेने से रोका जा सकता है / निकाला जा सकता है / प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।
12. संकाय अथवा विषय बदलकर उसी कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा जिसकी परीक्षा विद्यार्थी एक बार उत्तीर्ण कर चुका हो अर्थात एक संकाय की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात उसी कक्षा / दूसरे संकाय में प्रवेश नहीं ले सकेगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा अर्थात् एक बार स्नातक / स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात पुनः स्नातक / स्नातकोत्तरण कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा, उदाहरणार्थ यदि किसी छात्र ने एम0ए0 अर्थशास्त्र उत्तीर्ण कर लिया हो तो उसे कला संकाय के अन्य किसी विषय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा और न ही वह किसी अन्य संकाय की समकक्ष कक्षा में प्रवेश ले सकता है।
13. अनुचित साधन के अन्तर्गत दण्डित छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
14. पंजीकरण की अन्तिम तिथि के पश्चात जमा किया गया आवेदन पत्र स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
15. जिन प्रवेशार्थियों को प्रवेश समिति / संकायाध्यक्ष / प्राचार्य प्रवेश प्रदान करेंगे उनकी सूचना समय–समय पर सम्बन्धित विषयों के विभागाध्यक्षों को दी जायेगी। इन्हीं सूचीयों के आधार पर विभिन्न विभागों की छात्र उपस्थिति पंजिकाओं में छात्र / छात्राओं के नाम पंजीकृत किये जायेंगे। अलग से विषय स्लिप छात्र / छात्रा को नहीं दी जायेगी। प्रवेशार्थी सूचनापट पर प्रकाशित सूचियों के आधार पर निर्धारित तिथि के अन्दर अनिवार्य रूप से सभी शुल्क सम्बन्धित काउन्टरों पर जमा करेंगे। शुल्क लिपिक शुल्क रसीद में भी आवंटित विषयों को अंकित करेंगे।
16. छात्र / छात्रा के परिचय पत्र में भी आवंटित विषयों का उल्लेख किया जायेगा।
17. अर्हता परीक्षा (क्वालिफाइंग एग्जामिनेशन) उत्तीर्ण करने के उपरान्त अधिकतम तीन वर्ष के अन्तराल (गेप) पर ही प्रवेश दिया जायेगा अन्यथा की स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू नहीं होगा।
18. संस्थागत छात्र उपाधि हेतु एक ही सत्र में अन्य किसी शिक्षा संस्थान में प्रवेश नहीं लेगा और न ही अन्य उपाधि हेतु परीक्षा में शामिल होगा। यदि कोई छात्र / छात्रा इस नियम का उल्लंघन कर परीक्षा में शामिल हो जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा उसकी परीक्षा निरस्त की जायेगी।
19. छात्र द्वारा जमा की गयी प्रतिभूति धनराशि (सिक्योरिटी) उसके उत्तीर्ण होने के एक वर्ष तक ही सुरक्षित रखी जायेगी। तदोपरान्त वह निरस्त समझी जायेगी। बी.एस–सी. के छात्र / छात्रा सिक्योरिटी फार्म 1 अक्टूबर से 30 जनवरी तक तथा एम.एस.सी. के छात्र / छात्रा सिक्योरिटी फार्म साल में दो बार 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तथा 1 फरवरी से 28 फरवरी तक कार्यालय से प्राप्त कर जमा करवा सकते हैं।
20. उत्तराखण्ड प्रदेश के अभ्यर्थियों के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों के अभ्यर्थियों को प्रवेश पूर्व अपना पुलिस वेरिफिकेशन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
21. प्रवेश के समय अभिभावक तथा छात्र / छात्रा की ओर से रेगिंग विरोधी एफिडेविट देना अनिवार्य है जिसका प्रारूप आवेदन पत्र के साथ संलग्न है।

नोट : प्रवेश सम्बन्धी प्रक्रिया में यदि विश्वविद्यालय अथवा राज्य सरकार द्वारा कोई परिवर्तन होता है तो वह सूचना पट पर लगा दिया जायेगा।

प्रवेश सम्बन्धी आवश्यक सूचना

1. प्रतीक्षा सूची के प्रवेश के उपरान्त यदि कोई सीट शेष रह जाती है तो उसमें प्रवेश हेतु नया पंजीकरण अनिवार्य होगा। योग्यता सूची पुनः प्रकाशित की जायेगी।
2. पूर्व में पंजीकृत अभ्यर्थी जो किन्हीं कारणों से प्रवेश से वंचित रह गये हों यदि वे प्रवेश के इच्छुक हों तो पुनः पंजीकरण करा सकते हैं।
3. प्रवेश प्रक्रिया में प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रथम चरण में आवश्यक प्रमाण पत्रों का सत्यापन कर फीस की रसीद दी जायेगी। फीस जमा करने के पश्चात् उसी दिन अथवा अगले दिन 12 बजे तक फीस की कॉलेज प्रतिलिपि सत्यापन करने के उपरान्त प्रवेश दिया जायेगा।

उपस्थिति नियम
(सत्र 2020–2021)

शासनादेश संख्या 528(1)15–(उ.शि.)71/97 दिनांक 11 जून 1997 के अनुसार कोई भी छात्र विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तब तक प्राप्त नहीं कर सकेगा जब तक वह व्याख्यान और ट्यूटोरियल कक्षाओं में पृथक–पृथक 75 प्रतिशत पूरी नहीं करता। विज्ञान के विषयों अथवा ऐसे अन्य विषयों में जिनमें प्रयोगात्मक कक्षायें होती हैं, प्रयोगात्मक कक्षाओं में प्रयोगात्मक कार्य की अवधि में 75 प्रतिशत उपस्थिति अपेक्षित होगी।

निम्नलिखित स्थितियों में पूरे सत्र में किसी विषय में, व्याख्यान और सेमिनार/प्रयोगात्मक कक्षाओं में पृथक–पृथक 6 प्रतिशत तक छूट संकायाध्यक्ष (डीन)/प्राचार्य द्वारा तथा 9 प्रतिशत छूट कुलपति द्वारा दी जा सकती है।

1. (अ) विद्यार्थी की लम्बी और गम्भीर बीमारी में कक्षा में सम्मिलित होने के 15 दिन के अन्दर यदि विद्यार्थी ने चिकित्सा प्रमाण पत्र दाखिल कर लिया हो। या

   (ब) इसी के समकक्ष किसी अत्यन्त विशेष परिस्थिति में समुचित कारण देने पर।

2. विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर स्नातक छात्र को विशेष अध्ययन के निमित्त किसी अन्य विश्वविद्यालय, संस्थान तथा उच्च अध्ययन के लिये किसी केन्द्र में व्याख्यान, प्रयोगात्मक कार्य के लिये कुलपति द्वारा 6 सप्ताह तक की अवधि की अनुमति दिये जाने पर कुलपति द्वारा उपस्थिति न्यूनता का मार्जन किया जा सकेगा। इसके लिये विश्वविद्यालय में अपनी उपस्थिति सूचित करने के एक सप्ताह के भीतर विद्यार्थी को उस संस्थान के जहाँ विद्यार्थी ने अध्ययन किया है, अध्ययन कक्षाओं में उपस्थित, प्रयोगात्मक कार्य, पुस्तकालय में कार्य करने की तिथियों के निर्देश सहित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

3. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा आयोजित एन.सी.सी. शिविर, खेलकूद के समारोह, राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर, शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेने अथवा भारतीय सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के लिये साक्षात्कार के निमित्त जाने पर उपस्थित न्यूनता मार्जन कर दिया जायेगा बशर्ते सम्बन्धित सक्षम अधिकारी से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र अनुपस्थित रहने के एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया गया हो।

Directions for Kashmiri Migrant students for the session 2020-21

As per the directions of MHRD & HNB Garhwal University, following concessions will be provided to the Kashmiri migrant students.

- **Relaxation in cut-off percentage up to 10% subject to minimum eligibility requirements.**
- **Increase in intake capacity up to 5% course wise.**
- **Reservation of at least one seat in merit quota in technical/professional institutions.**
- **Waiving off domicile requirements.**
- **1 seat will be created under supernumerary quota in the institution.**

CHINMAYA DEGREE COLLEGE, BHEL, HARIDWAR (SESSION 2020 - 2021)
DETAILS OF FEE STRUCTURE FOR B.SC. - I, II, III

ITEM	AMOUNT PER ANNUM B.Sc. I	II	III
1. Games & Recreation	750	750	750
2. Ex-Soldier's Day	50	50	50
3. Cultural Activities	600	600	600
4. Reading Room	100	100	100
5. Indentity Card	50	50	50
6. Student Aid Fund	100	100	100
7. Magazine	300	300	300
8. Medical	130	130	130
9. Student Welfare Association	200	200	200
10. Home Examination	200	200	200
11. Development Fund	1500	1500	1500
12. Security (Lab & Lib.) Refundable	600	-	-
13. Tution Fee @ Rs. 11/-per month (From Boys only) Girls Exempted	132	132	132
14. D.A. Fees @ Rs. 12/-per month	144	144	144
15. Lab Fee (Maths Group)	500	500	500
16. Lab. Fee (Other Group)	600	600	600
17. Lab Fee (Ind. Micro.)	800	800	800
18. Library	360	360	360
19. Hot & Cold Water Charges	800	800	800
20. Registration Fee	20	20	20
21. Admission Fee	50	50	50
22. Science Breakage (As per chart given ahead)			
23. Maintaining Cycle Stand/Canteen	300	300	300
University Exam & Enrolment Fee			
24. Registration Fee (Computer & Micro)	***	-	-
25. Enrolment Fee (All Subjects)	***	-	-
26. Theory Exam (Math & Bio.) Computer & Micro.	***	***	***
27. Affiliation Fee	30	30	30
28. Marks Fee	10	10	10
29. Informal Charges	20	20	20
30. Sports Development	50	50	50
31. Development Fee University	50	50	50
32. Cost of Exam Form			
(Math & Bio.)	*	*	10
(Computer & Micro.)	**	**	50
33. Univ. Practical Exam Fee per Subject			
B.Sc. (Maths Group)	30	30	30
B.Sc. (Other Group)	45	45	45
34. Environmental Sci. Fee	-	-	---
35. Degree Fee	-	-	150

*/**Cost of Exam form will be paid by students at the time of exam. form filling.

***** will be deposited by student at the time of filling of exam. form as per the directions of University.**

Science Breakage for the Session 2020 -2021

S. No.	Group	I	II	III
1.	B.Sc. Mathematics	100	100	100
2.	B.Sc. Biology	100	100	100
3.	B.Sc. Computer	125	125	125
4.	B.Sc. Microbiology.	200	200	200

B.Sc. Fee Chart (in rupees)

1. Govt. Aided Section

	Math		Biology	
B.Sc. Part	Boys	Girls	Boys	Girls
I	7176	7044	7291	7159
II	6576	6444	6691	6559
III	6576	6444	6691	6559

2. Under Self Finance Scheme (SFS)

S.No.	Courses	Boys	Girls
1	B.Sc. I Computer	15201	15069
2	B.Sc. I Microbiology	15591	15459
3	B.Sc. II Computer	14601	14469
4	B.Sc. II Microbiology	14991	14859
5	B.Sc. III Computer	14601	14469
6	B.Sc. III Ind. Microbiology	14991	14859

☞ **All Fee must be deposited in Single Instalment.**
Admission fee will be accepted online only. The link is given on college website www.chinmayadc.edu.in

Transfer Certificate Fee R.s 20/-
Character Certificate Fee Rs. 20/-

Girls are exempted from payment of Tuition Fee of 132/- per annum by order of Govt. of Uttarakhand.

NOTE

1. Fees once deposited will not be refunded in any case, except in the case of the University is not being able to run the course due to the legal binding or any other reason (as per University Rules)

बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया

बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर के सभी वर्गों के अर्ह प्रत्याशियों की वरीयता सूची महाविद्यालय के सूचना पट पर निर्धारित तिथि पर चस्पा की जायेगी।

वरीयता सूची अर्हता परीक्षा के प्राप्ताकों के आधार पर बनायी जायेगी। सूची में स्थान पाये छात्र छात्राओं को व्यक्तिगत रूप से संबंधित इंचार्ज के सम्मुख अपनी मूल अंकतालिकाओं, पूर्व संस्था के स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र (जैसे जाति प्रमाण पत्र अन्य पिछड़े वर्ग के लिये गैर क्रामी लेयर प्रमाण पत्र, खेल कूद संबंधी प्रमाण पत्र, विकलांगता प्रमाण पत्र आदि) के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है। सभी अंकतालिकाओं एवं प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छाया प्रति का एक सेट लाना भी अनिवार्य है। प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने का समय व दिन महाविद्यालय के सूचना पट्ट तथा कॉलेज वेबसाइट पर चस्पा कर दिया जायेगा।

प्रवेश के लिए अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों को उसी दिन कालेज वेबसाइट पर जाकर ऑन लाइन अपनी पूर्ण फीस जमा करनी होगी तथा जमा की गयी शुल्क की रसीद की प्रति महाविद्यालय में संबंधित इंचार्ज के पास जमा करानी अनिवार्य है अन्यथा उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। प्रथम वरीयता सूची में शामिल सभी अभ्यर्थियों को अन्तिम तिथि से पूर्व संबंधित इंचार्ज के सम्मुख व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना आवश्यक है। अतः प्रवेश के इच्छुक सभी अभ्यर्थी सूचना पट्ट पर दर्शाई गयी तिथियों को ध्यानपूर्वक नोट कर लें।

वरीयता सूची के साथ ही प्रथम प्रतीक्षा सूची भी महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर लगाई जायेगी। इस सूची में शामिल सभी अभ्यर्थियों को **निर्धारित तिथि पर प्रातः 10.30 बजे से पूर्व संबंधित इंचार्ज के सामने प्रतीक्षा सूची में अपने नाम के सम्मुख हस्ताक्षर कर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी अति आवश्यक है।** 10.30 बजे के पश्चात किसी भी अभ्यर्थी को हस्ताक्षर करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। प्रत्येक वर्ग की रिक्त सीटें (यदि कोई है) वर्ग वार उसी दिन प्रतीक्षा सूची में हस्ताक्षर करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट के आधार पर भरी जायेगी अतः इन अभ्यर्थियों को प्रवेश लेने के तुरन्त पश्चात पूरी फीस कॉलेज वेबसाइट पर जाकर ऑन लाइन जमा करानी अनिवार्य है तथा जमा की गयी शुल्क की रसीद की प्रति महाविद्यालय में संबंधित इंचार्ज के पास जमा करानी अनिवार्य है। अन्यथा उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

जिन विद्यार्थियों ने अंतिम अर्ह परीक्षा वर्ष 2018 से पूर्व उत्तीर्ण की है उन्हें उन वर्षों के अंतराल से संबंधित शपथ पत्र देना होगा कि इस अंतराल में वे किसी अवांछित गतिविधियों में संलिप्त नहीं रहे हैं, और उन्होंने किसी अन्य शिक्षण संस्थान में प्रवेश नहीं लिया है यदि अभ्यर्थी द्वारा दी गयी कोई जानकारी गलत पायी जाती है तो उसका प्रवेश तुरंत प्रभाव से निरस्त कर दिया जायेगा।

उल्लेखनीय बिंदुः

यदि कोई आरक्षित सीट अर्ह अभ्यर्थी के न होने के कारण रिक्त रह जाती है तो वह सीट अंतिम निर्धारित तिथि के पश्चात तीन दिन में सामान्य श्रेणी के अर्ह अभ्यर्थी द्वारा भरी जायेगी।

COURSES OFFERED AT POST GRADUATION LEVEL

The college provides Post Graduate Courses in following departments run by highly qualified, well experienced teaching staff as well as distinguished academicians of the region as guest faculty.

Under the worthy guidance of the Director SFS Dr. Vaishno Dass Sharma and incharges of the departments the college is providing best education, knowledge and skills. Consistent efforts are being made to inculcate values of self discipline, professionalism and integrity among the students so that they can provide positive contribution to society and the country.

S. No.	Course & Subject	No. of Seats	Incharge
1.	M.Sc. Biotechnology	20+1	Dr. Swati Shukla
2.	M.Sc. Chemistry	25+1	Dr. Ruchira Chowdhury
3.	M.Sc. Computer Science	20+1	Dr. Vaishno Dass Sharma
4.	M.Sc. Microbiology	30+2	Dr. Deepika
5.	M.Sc. Physics	25+1	Dr. Omkant
6.	M.Sc. Zoology	25+1	Dr. Sandhya Vaid

Increase in the number of seats for economically backward section of General Caste will be according to university guidelines.

शुल्क सम्बन्धी विवरण (2020-2021)

विश्वविद्यालय द्वारा स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश शुल्क के सम्बन्ध में प्राप्त शासनादेशों के अनुपालन में स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए शुल्क की दरें निम्नवत् निर्धारित की गई हैं–

Admission Fee (in rupees)

M.Sc.-I Semester (Computer Science)	
Tution/Course Fee	13900.00
Univ Reg. Fee	*
Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*
Insurance	97.00
Security Fee (Refundable)	2000.00
Total	15997.00
College Fee	
II Sem	13900.00
III Sem	13900.00
IV Sem	13900.00

M.Sc.-I Semester Physics, Chemistry, Zoology	
Tution/Course Fee	11400.00
Univ Reg. Fee	*
Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*
Insurance	97.00
Security Fee (Refundable)	2000.00
Total	13497.00
College Fee	
II Sem	11400.00
III Sem	11400.00
IV Sem	11400.00

M.Sc.-I Semester Microbiology & Biotechnology	
Tution/Course Fee	17900.00
Univ Reg. Fee	*
Univ Enrl Fee (Other Univ Students)	*
Insurance	97.00
Security Fee (Refundable)	2000.00
Total	19997.00
College Fee	
II Sem	17900.00
III Sem	17900.00
IV Sem	17900.00

* **University Reg. Fee and University Enrl. Fee (for other University Students) for Ist Semester students will be deposited by the students at the time of filling of University Examination form together with University Exam fee as per directions of University.**

☞ **All Fee must be deposited in Single Instalment.**
Admission fee will be accepted on line only The link is given on college website www.chinmayadc.edu.in

नोट – छात्रा–छात्राओं द्वारा जमा की गई सिक्योरिटी धनराशि उन्हें उत्तीर्ण होने के पश्चात् उसी वर्ष के नवम्बर माह में वापस की जायेगी। अन्य परिस्थिति में यह शुल्क प्रवेश लेने के एक वर्ष पश्चात् वापस होगा।

NOTE:

1. **Fees once deposited will not be refunded.**
2. **Science breakage and library fine, if any, shall have to be deposited before the Admit Card for University Examination is issued.**

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु योग्यता सूची निर्धारण नियम

1. एम0एससी0 कक्षाओं में प्रवेशार्थ न्यूनतम अर्हता इस विश्वविद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त किसी भी अन्य विश्वविद्यालय की बी0एससी0 परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक होंगी परन्तु व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैसे कम्प्यूटर विज्ञान विषय में न्यूनतम अर्हता 50 प्रतिशत अंक होगी। अनुसूचित जाति एवम् जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट होगी।

2. (i) एम0एससी0 में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों की योग्यता सूची का निर्धारण बी0एससी0 के कुल प्राप्तांक की मेरिट के आधार पर किया जायेगा।

   (ii) अतिरिक्त अंकों की गणना निम्न प्रकार कर उन्हें सूचकांक **(i)** में जोड़ दिया जाएगा।

   (iii) आवेदक ने यदि हे.न.ब.ग. विश्वविद्यालय गढ़वाल, श्रीनगर से परीक्षा उत्तीर्ण की है तो उसे तीन प्रतिशत अंक अतिरिक्त दिये जायेंगे।

   (iv) जिस छात्र/छात्राओं ने बी0एससी0 बायोटेक एवं बी0एससी0 माइक्रो किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किया है उसको उसी विषय में प्रवेश हेतु 2 प्रतिशत अंक अतिरिक्त दिये जायेंगे।

   (v) अन्तर महाविद्यालय तथा राज्य स्तर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले आवेदक को पांच प्रतिशत अंक देय होंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले आवेदक को सात प्रतिशत अंक देय होंगे। विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने पर दो प्रतिशत अंक देय होंगे।

   उपरोक्त वर्णित (इ) तथा (ब) श्रेणी में अधिकतम पांच प्रतिशत अंक ही देय होंगे।

   (vi) एन.सी.सी./एन.एस.एस. में सम्मिलित होने वाले आवेदक को निम्नानुसार अंक देय होंगे–

   एन.सी.सी. 'बी' प्रमाण पत्रा धारक को एक प्रतिशत अंक तथा 'सी' प्रमाण पत्रा धारक को तीन प्रतिशत अंक देय होंगे। एन.एस.एस. के दो शिविरों में भाग लेने वाले अभ्यर्थी को दो प्रतिशत अंक तथा एक शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थी को एक प्रतिशत अंक दिये जायेंगे।

   (vii) स्वतंत्राता संग्राम सेनानी, भूतपूर्व अथवा कार्यरत सैनिकों एंव केन्द्रीय गृह मंत्राालय के अधीन अर्द्धसैनिक बलों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री/पौत्र/पौत्री) को दो प्रतिशत अंकों का अतिरिक्त लाभ इस प्रतिबन्ध के साथ दिया जाएगा कि वे इस हेतु सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्रा प्रस्तुत करेंगे।

   (viii) चिन्मय महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों के आश्रितों (पति/पत्नी/पुत्र/पुत्री) को दस प्रतिशत अंक देय होंगे।

   (ix) आवेदक को अतिरिक्त अंकों का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ उससे सम्बन्धित प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी अनिवार्य है।

   नोट–अधिकतम वरीयता अंक 17 ही देय होंगे।

ACADEMIC STAFF

Principal

	Dr. Alok Agarwal (Officiating Principal)	M.Sc., Ph.D.

Director SFS

	Dr. Vaishno Dass Sharma	M.Sc., Ph.D.

Department of Chemistry

1.	Dr. Alok Agarwal (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Dr. A.S. Singh (Associate Professor)	M.Sc., Ph.D.
3.	Dr. Ruchira Chowdhury (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
4.	Ms. Kamna Chauhan, Assistant Professor	M.Sc.
5.	Dr. Geeta Badola, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D
6.	Vacant	

Department of Physics

1.	Dr. P. K. Sharma (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D.
2.	Sh. B.P. Gupta (Associate Professor)	M.Sc.
3.	Dr. Omkant, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
4.	Mrs. Meenu Malik, Assistant Professor	M.Sc.
5.	Dr. Amar Deep, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D
6.	Ms. Jagrati Tyagi, Assistant Professor	M.Sc.
7.	Ms. Shivani Tyagi, Assistant Professor	M.Sc.

Department of Mathematics

1.	Mrs. Surbhi Gupta, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc.
2.	Ms. Himani Sharma, Assistant Professor	M.Sc.
3.	Vacant	

Department of Botany

1.	Dr. (Mrs.) Manisha (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D
2.	Dr. Madhu Sharma, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
3.	Vacant	

Department of Zoology

1.	Dr. Ajay Kumar (Associate Professor) Incharge	M.Sc., Ph.D
2.	Dr. Sandhya Vaid, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
3.	Ms. Shaily, Assistant Professor	M.Sc.
4.	Dr. Shikha Gaur, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D
5.	Vacant	

Department of Microbiology

1.	Dr. Deepika, (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
2.	Sh. Himanshu Singh, Assistant Professor	M.Sc.
3.	Ms. Arti Thakur, Assistant Professor	M.Sc.
4.	Dr. Nidhi Singh Chauhan, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D

Department of Computer Science

1.	Dr. Vaishno Dass Sharma, (Assistant Professor) Incharge SFS	MCA., Ph.D.
2.	Sh. Santosh Kumar, Assistant Professor	M.Sc. (CS)
3.	Sh. Ankur Kumar, Assistant Professor	MCA
4.	Sh. Hitesh Pujari, Assistant Professor	MCA
5.	Sh. Rishabh Narayan, Assistant Professor	MCA

Department of Biotechnology

1.	Dr. Swati Shukla (Assistant Professor) Incharge SFS	M.Sc., Ph.D
2.	Dr. Jyoti Choudhary, Assistant Professor	M.Sc., Ph.D

Ministerial Staff

Office

1.	Sh. R.K. Chaturvedi (B.Sc., M.A., L.L.B.)	Office Superintendent (Officiating)
2.	Smt. Rupa Rani Jai Singh (B.A.)	Upper Division Clerk
3.	Smt. Maya Swami (M.A.)	Clerk
4.	Sh. Sushil Kumar (B.Sc., B.Ed., PGDCA)	Clerk
5.	Sh. Dhananjaya Upadhyay (B.Sc., PGDCA)	Academic Clerk
6.	Sh. Saurabh Gupta (I. Sc.)	Clerk
7.	Sh. Vivek Chandra (B.Com.)	Clerk
8.	Sh. Om Prakash Shukla	Clerk

Library

1.	Librarian	Vacant
2.	Smt. Vineeta Dhyani (M.A., M.Lib.)	Upper Division Clerk
3.	Ms. Shalu Saini	Clerk

Laboratory

1.	Sh. Vikram Singh Negi, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Zoology
2.	Sh. Rakesh Kumar Landora, B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Botany
3.	Sh. Rakesh Gupta B.Sc. (Senior Lab. Assistant)	Chemistry
4.	Sh. Abhinav Dhyani Intermediate (Lab. Assistant)	Chemistry
5.	Sh. Rajesh Kumar B.Sc., B.Ed., PGDCA (Part time Lab. Assistant)	Microbiology
6.	Sh. Kamal Mishra, B.Sc. (Part time Lab. Assistant)	Physics

IVth Class Staff

1. Sh. Gautam Mahato
2. Sh. Jai Prakash
3. Sh. Rajendra Singh
4. Sh. Naeem Ahmed
5. Sh. Yashpal Singh
6. Sh. Rajveer Singh
7. Sh. Sonu
8. Smt. Usha Sharma
9. Sh. Hari Om Verma
10. Sh. Jai Prakash Single
11. Sh. Chander Singh
12. Sh. Gyan Prakash Barthwal
13. Sh. Ashok Kumar
14. Sh. Amar Pal Singh
15. Sh. Rajesh Kumar
16. Sh. Mohan Chand Joshi
17. Smt. Roshan Devi
18. Sh. Sunil Kumar
19. Sh. Raju Kumar
20. Sh. Sompal
21. Smt. Suneeta
22. Smt. Rekha
23. Sh. Rajesh Kumar
24. Sh. Ram Kumar
25. Sh. Mahesh Kumar
26. Sh. Aman Kumar

Committees for Corporate Life of the College

(2020-2021)

1. **Staff Council**
   - i. **Chairman :** Dr. Alok Agarwal
   - ii. **Secretary :** Dr. Manisha
2. **NAAC Coordination Committee**
   - i. Dr. P.K. Sharma (Coordinator)
   - ii. Sh. B.P. Gupta (Incharge IQAC)
   - iii. Dr. A.S. Singh (Member)
   - iv. Sri Hitesh Pujari (Member)
   - v. Sh. Rakesh Landora (Member)
   - vi. Sh. Rahul Kumar
3. **Career Consultancy Cell**
   - i. Dr. Sandhya Vaid (Coordinator)
   - ii. Sh. Santosh Kumar (Member)
   - iii. Dr. Om Kant (Member)
   - iv. Sh. Rahul Kumar (Member)
4. **Proctorial Board**
   - i. Dr. P.K. Sharma (Chief Proctor)
   - ii. Dr. Ajay Kumar (Proctor)
   - iii. Sh. B.P. Gupta (Proctor)
   - iv. Dr. Madhu Sharma (Proctor)
   - v. Dr. Sandhya Vaid (Proctor)
   - vi. Sh. Himanshu Singh (Proctor)
   - vii. Sh. Rajesh
5. **Coordinator On-line Classes**
   - I Dr. A.S. Singh
   - ii. Sh. Hitesh Pujari
6. **Student Welfare Committee**
   - i. Dr. Manisha (Dean)
   - ii. Dr. Sandhya Vaid
   - iii. Dr. Madhu Shrama
   - iv. Sh. Rakesh Landora
   - v. Class representatives
7. **Security Committee**
   - I.. Dr. A.S. Singh (Coordinator)
   - ii. Dr. Vaishno Dass Sharma
   - iii. Sh. D.K. Upadhyay
   - iv. Sh. V.S. Negi
8. **Purchase Committee**
   - I. Dr. Alok Agarwal (Chairman)
   - ii. Dr. Ajay Kumar (Co-ordinator)
   - iii. Dr. A. S. Singh (Member)
   - iv. Dr. P.K. Sharma (Member)
   - v. Dr. Manisha (Member)
   - vi. Dr. Vaishno Dass Sharma (Member)
   - vii. Dr. Deepika
   - viii. Dr. Swati Shukla
   - ix. Sh. R.K. Chaturvedi (Member)
   - x. Sh. Rahul Kumar (Member)
9. **College Development Committee**

   A) Building Maintenance & Construction
   - i. Dr. Alok Agarwal (Incharge)
   - ii. Dr. A.S. Singh
   - iii. Dr. Vaishno Dass Sharma
   - iv. Sh. Rahul Kumar

   B) Garden
   - i. Dr. Deepika (Incharge)
   - ii. Sh. Rajesh (Lab Assis. Micro.)

   C) Furniture Maintenance
   - i. Dr. Manisha (Incharge)
   - ii. Sh. Rakesh Landora

   D) Hygiene
   - i. Sh. Santosh Kumar (Incharge)
   - ii. Sh. Kamal Mishra

   E) Water & Electrical Maintenance)
   - i. Sh. Rakesh Landora
   - ii. Sh. Rajesh
10. **Committee of Social and Cultural Activities**
    - i. Dr. Manisha (Coordinator)
    - ii. Dr. Deepika
    - iii. Dr. Sandhya Vaid
    - iv. Dr. Om Kant
    - v. Dr. Madhu Sharma
    - vi. Sh.V.S. Negi
    - vii. Four Students
11. **Canteen Committee**
    - i. Sh. Santosh Kumar
    - ii. Dr. Swati Shukla
    - iii. Sh. Kamal Mishra

12. Committee of Games and Sport/ First Aid

i. Dr. Alok Agarwal (Coordinator)
ii. Dr. Vaishno Dass Sharma
iii. Dr. Om Kant
iv. Sh. Hitesh Pujari
v. Sh. V.S. Negi
vi. Four Students
vii. Sh. Amarpal
viii. Sh. Gyan Prakash

13. Editorial Board of College Magazine

i. Dr. Manisha (Coordinator)
ii. Dr. Madhu Sharma
iii. Dr. Jyoti Choudhary
iv. Sh. Abhinav Dhyani
v. Four Students

14. Academic Council of the College & LEEP

i. Dr. Sandhya Vaid (Coordinator)
ii. Dr. Omkant
iii. Sh. Hitesh Pujari
iv. Sh. Rajesh Kumar
v. Four Students

15. Library Committee

i. Sh. B.P. Gupta (Coordinator)
ii. Sh. Himanshu Singh
iii. Sh. Rakesh Gupta

16. Committee of College Prospectus

i. Dr. A.S. Singh (Coordinator)
ii. Dr. Ajay Kumar
iii. Sh. Sushil Kumar

17. In-charge of College Time-table

i. Dr. A.S. Singh (Coordinator)
ii. Sh. Hitesh Pujari

18. Grievence Redressal Cell

i. Sh. B.P. Gupta
ii. Dr. Ruchira Chowdhury
iii. Sh. Rakesh Gupta
iv. Sh. Jai Parkash

19. Girls Hostel

i. Dr. Manisha (Coordinator)
ii. Dr. Deepika
iii. Ms. Shalu Saini (Warden)
iv. Ms. Maya Swami

20. Semester Examination Cell

B.Sc. Classes (Grant in Aid)

i. Dr. P.K. Sharma (Coordinator)
ii. Dr. Ajai Kumar
iii. Sh. Rakesh Gupta
iv. Sh. Jai Prakash Single

B.Sc. (SFS) & M.Sc. Classes

i. Dr. Vaishno Dass Sharma (Coordinator)
ii. Sh. Santosh Kumar
iii. Sh. Kamal Mishra

21. Fire fighting committee

i. Dr. Om Kant (Coordinator)
ii. Dr. Amardeep
iii. Sh. Gyan Prakash
iv. Sh. Raju

22. Officer in-charge Ethics and Committee against Sexual Harrassment

i. Dr. Manisha (Presiding Officer)
ii. Sh. B.P. Gupta
iii. Dr. Ruchira Chowdhury
iv. Mrs. Vineeta Dhyani
v. Sh. Sushil Kumar
vi. Three Students

23. RTI Committee

I. Dr. Indu Mehrotra
ii. Dr. Alok Agarwal
iii. Sh. B.P. Gupta
iv. Sh. Rakesh Chaturvedi
v. Sh. D.K. Updhayaya

जिला हरिद्वार में सामान्य शासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन की वर्ष 2020 में सार्वजनिक अवकाशों की सूची

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1.	शीतकालीन अवकाश	6–18 जनवरी	सोमवार से शनिवार	13
2.	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी	रविवार	–
3.	बसन्त पंचमी	30 जनवरी	बृहस्पतिवार (01 ग्रीष्मकालीन अवकाश का समायोजन)	01
4.	रविदास जयन्ती	9 फरवरी	रविवार	–
5.	महाशिवरात्रि	21 फरवरी	शुक्रवार	01
6.	होली	09–11 मार्च	सोमवार से बुधवार (01 ग्रीष्मकालीन अवकाश का समायोजन)	03
7.	चेटीचन्द	26 मार्च	बृहस्पतिवार	01
8.	अष्टमी	1 अप्रैल	बुधवार (01 ग्रीष्मकालीन अवकाश का समायोजन)	01
9.	राम नवमी	2 अप्रैल	बृहस्पतिवार	01
10.	महावीर जयन्ती	6 अप्रैल	सोमवार	01
11.	*शब–ए–रात	9 अप्रैल	बृहस्पतिवार (01 ग्रीष्मकालीन अवकाश का समायोजन)	01
12.	गुड फ्राइडे	10 अप्रैल	शुक्रवार	01
13.	बैशाखी	13 अप्रैल	सोमवार (01 ग्रीष्मकालीन अवकाश का समायोजन)	01
14.	भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	14 अप्रैल	मंगलवार	01
15.	श्री गंगा सप्तमी	30 अप्रैल	बृहस्पतिवार (स्थानीय अवकाश)	01
16.	बुद्ध पूर्णिमा	7 मई	बृहस्पतिवार	01
17.	*ईद उल फितर	25 मई	सोमवार	01
18.	***श्री गंगा दशहरा	1 जून	सोमवार (स्थानीय अवकाश)	01
19.	सोमवती अमावस्या	20 जुलाई	सोमवार (स्थानीय अवकाश)	01
20.	*ईद उल जुहा (बकरीद)	1 अगस्त	शनिवार	01
21.	रक्षा बन्धन	3 अगस्त	सोमवार	01
22.	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	12 अगस्त	बुधवार	01
23.	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त	शनिवार	–
24.	*मोहर्रम	30 अगस्त	रविवार	–
25.	श्री विश्वकर्मा जयन्ती	17 सितम्बर	बृहस्पतिवार	01
26.	***पितृ विसर्जन अमावस्या	17 सितम्बर	बृहस्पतिवार	–
27.	महात्मा गांधी जयन्ती	2 अक्टूबर	शुक्रवार	01
28.	दशहरा	23–25 अक्टूबर	शुक्रवार से रविवार (01 शीतकालीन अवकाश का समायोजन)	02
29.	*ईद–ए–मिलाद (बारावफात)	30 अक्टूबर	शुक्रवार	01
30.	बाल्मीकि जयन्ती	31 अक्टूबर	शनिवार	01
31.	धनतेरस	12 नवम्बर	बृहस्पतिवार (01 शीतकालीन अवकाश का समायोजन)	01
32.	नरक चतुर्दशी	13 नवम्बर	शुक्रवार (निबन्धित)	01
33.	दीपावली	14 नवम्बर	शनिवार	01
34.	गोवर्धन पूजा	15 नवम्बर	रविवार	–
35.	भाईदूज	16 नवम्बर	सोमवार (01 निबन्धित)	01
36.	गुरू तेगबहादुर जयन्ती	24 नवम्बर	मंगलवार	01
37.	गुरू नानक जयन्ती	30 नवम्बर	सोमवार	01
38.	क्रिसमस	25 दिसम्बर	शुक्रवार	01

नोट– *तारांकित अवकाश स्थानीय चन्द्रदर्शन के अनुसार मनाये जायेंगे।
**ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन अवकाश विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार घोषित किये जायेंगे।
***स्थानीय अवकाश मा. जिलाधिकारी के आदेशानुसार किए जायेंगे।

प्राचार्य

चिन्मय डिग्री कॉलेज में वर्ष 2021 हेतु अवकाशों की सूची

वर्ष 2021 की सार्वजनिक अवकाशों की अनुसूची (मा0 राज्यपाल मैनुअल ऑफ गवर्नमेंट आर्डर्स के पैरा–243 के अन्तर्गत)

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1.	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी 2021	मंगलवार	–
2.	महाशिवरात्री	11 मार्च 2021	बृहस्पतिवार	01
3.	होलिका दहन	28 मार्च 2021	रविवार	01
4.	होली	29 मार्च 2021	सोमवार	01
5.	गुड फ्राइडे	2 अप्रैल 2021	शुक्रवार	01
6.	डा0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	14 अप्रैल 2021	बुधवार	01
7.	राम नवमी	21 अप्रैल 2021	बुधवार	01
8.	महावीर जयन्ती	25 अप्रैल 2021	रविवार	01
9.	*ईद–उल–फितर	14 मई 2021	शुक्रवार	01
10.	बुद्ध पूर्णिमा	26 मई 2021	बुधवार	01
11.	हरेला	16 जुलाई 2021	शुक्रवार	01
12.	*ईद–उल–जुहा (बकरीद)	21 जुलाई 2021	बुधवार	01
13.	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त 2021	रविवार	–
14.	*मोहर्रम	19 अगस्त 2021	बृहस्पतिवार	01
15.	रक्षा बन्धन	22 अगस्त 2021	रविवार	01
16.	जन्माष्टमी	30 अगस्त 2021	सोमवार	01
17.	महात्मा गांधी जयन्ती	2 अक्टूबर 2021	शनिवार	01
18.	दशहरा (विजयदशमी)	15 अक्टूबर 2021	शुक्रवार	01
19.	*ईद ए मिलाद / मिलाद–उल–नबी बारावफात	19 अक्टूबर 2021	मंगलवार	01
20.	महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	20 अक्टूबर 2021	बुधवार	01
21.	दीपावली	4 नवम्बर 2021	बृहस्पतिवार	01
22.	दीपावली (गोवर्धन पूजा)	5 नवम्बर 2021	शुक्रवार	01
23.	गुरू नानक जयन्ती	19 नवम्बर 2021	शुक्रवार	01
24.	क्रिसमस दिवस	25 दिसम्बर 2021	शनिवार	01

2. श्री राज्यपाल निम्नलिखित अनुसूची में निर्दिष्ट अवकाशों को भी वर्ष 2021 में समस्त उत्तराखण्ड प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करते हैं।

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1.	गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती	20 जनवरी 2021	बुधवार	01
2.	चेटीचन्द	13 अप्रैल 2021	मंगलवार	01
3.	विश्वकर्मा पूजा	17 सितम्बर 2021	शुक्रवार	01
4.	गुरू तेगबहादुर शहीद दिवस	24 नवम्बर 2021	बुधवार	01

3.निर्बन्धित छुट्टियाँ

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1.	दशहरा (महानवमी)	14 अक्टूबर 2021	बृहस्पतिवार	01
2.	भैया दूज	6 नवम्बर 2021	शनिवार	01

4.मा0 जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार स्थानीय अवकाश

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	तिथि	सप्ताह का दिन	कुल अवकाश दिवस
1.	चैत्र अमावस्या / सोमवती अमावस्या	12 अप्रैल 2021	सोमवार	01
2.	श्री गंगा सप्तमी	18 मई 2021	मंगलवार	01
3.	पित्र विर्सजन अमावस्या	5 अक्टूबर 2021	बुधवार	01

*यह त्यौहार स्थानीय चन्द्र दर्शन के अनुसार मनाये जायेंगे।

स्थानीय अवकाश माननीय जिलाधिकारी के आदेशानुसार किये गये है।

- ☞ शीतकालीन अवकाश –15 दिन
- ☞ ग्रीष्मकालीन अवकाश – 45 दिन
- ☞ प्राचार्य विवेकाधीन अवकाश – 03

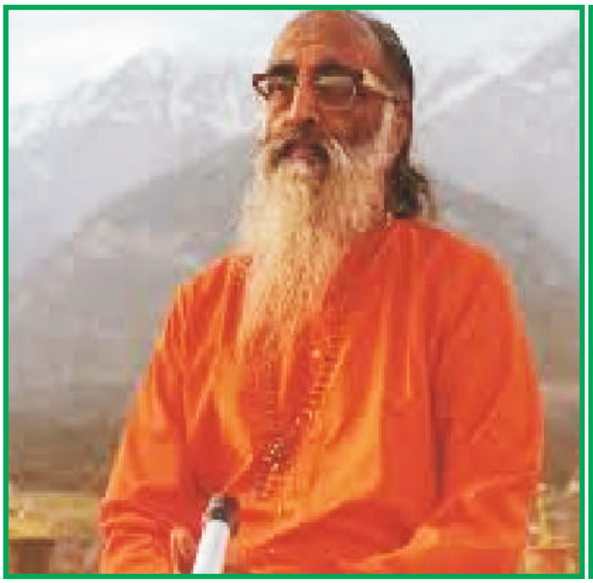

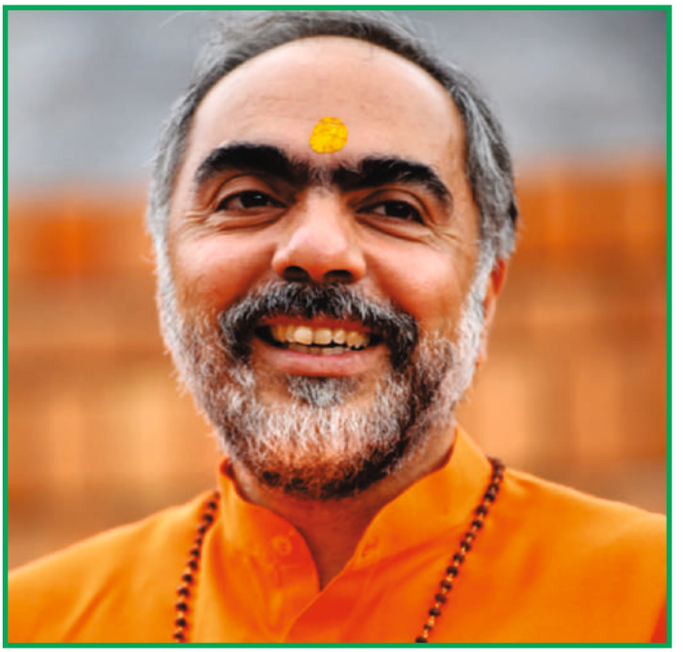

महत्वपूर्ण

- 1. यद्यपि कॉलेज विवरणिका के प्रकाशन में यथा संभव हर सावधानी का ध्यान रखा गया है, तथापि कोई त्रुटि दृष्टिगत होती है तो उसका संज्ञान एवं निवारण कॉलेज कार्यालय से संपर्क कर के किया जा सकता है।
- 2. आरक्षण का लाभ लेने वाले अभ्यर्थी संबंधित सर्टिफिकेट अनिवार्यतः आवेदन–पत्र के साथ ही संलग्न करें, अन्यथा वे लाभ से वंचित रह जाएँगे। आवेदन पत्रा जमा होने के बाद ऐसे प्रकरण विचारणीय नही होंगे।
- 3. महाविद्यालय की समस्त सूचनाएँ कॉलेज की वेब साइट www.chinmayadc.edu.in पर देखी जा सकती है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the
Chinmaya Degree College
BHEL, Ranipur, Dist. Haridwar,
affiliated to Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University, Uttarakhand as
Accredited
with CGPA of 2.15 on four point scale
at B grade
valid up to September 13, 2020

Date September 14, 2015

Director

Our Motto

You Can You Must

Our Vision

- To create men of character and action.
- To develop a positive attitude to life.
- To inculcate a sense of pride in one's culture and national heritage.
- To imbibe the ethos of Service before Self.

Price: Rs. 300/-

Payment will be accepted through
Debit Card/ Credi Card / NEFT*/Online payment
Name of Bank: Oriental Bank of Commerce,
Shivalik Nagar, Haridwar
***IFSC-ORBC0100951**
Daily collection Account
09512010022290
(Haridwar)

Printed by: Kiran Offset Printing Press, Kankhal, Haridwar #9837007222